प्रथम सत्र
SEMESTER-I

MINOR-1

हिंदी काव्य

Hindi Kavya

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MIN(Theory)	UHINMIN10001	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिंदी के महत्त्वपूर्ण कवि एवं काव्य से अवगत कराना।
- हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत बोध कराना।
- काव्य की भावगत एवं शिल्पगत उपलब्धियों से परिचित कराना।
- हिंदी कविता की परंपरा का सामान्य बोध कराना।
- काव्य विधा के प्रति रुचि विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी हिंदी काव्य का प्रवृत्तिमूलक ज्ञान अर्जित करेंगे। • विद्यार्थियों में व्याख्या करने की क्षमता विकसित होगी।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी काव्य के शिल्प पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर काव्य-सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 (15 घंटे)

- **कबीरदास :** कबीर ग्रंथावली, (सं.)डॉ. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

  गुरुदेव कौ अंग : दोहा सं. 3 (सतगुरु की महिमा...)

  साध कौ अंग : दोहा सं. 4 (मेरे संगी दोइ...)

  सम्रथाई कौ अंग : दोहा सं. 5 (सात समंदर दोइ...)

  सूरा तन कौ अंग : दोहा सं. 21 (प्रेम न खाली...)

  बिरह कौ अंग : दोहा सं. 21 (बिरहा बिरहा जिनि....)

- **तुलसीदास** : दोहावली, (अनु.) हनुमान प्रसाद पोद्दार, गीता प्रेस, गोरखपुर

  दोहा सं. 6 (राम नाम मनि दीप धरु...)

  दोहा सं. 99 (करमठ कठमलिया कहैं...)

  दोहा सं. 182 (राम राज राजत सकल धाम...)

  दोहा सं. 280 (रटत- रटत लसना लटी...)

  दोहा सं. 337 (नीच निचाई नहिं तजइ...)

इकाई – 2 (15 घंटे)

- **बिहारी** : बिहारी रत्नाकर, (सं.) जगन्नाथदास 'रत्नाकर', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

  दोहा सं. 1 (मेरी भव्-बाधा हरौ...)

  दोहा सं. 42 (मंगलु बिंदु सुरंगु...)

  दोहा सं. 265 (सहित सनेह, सकोच सुख...)

  दोहा सं. 363 (दृग उरझत, टूटत कुटुम्ब...)

  दोहा सं. 461 (इक भीजैं, चहलैं परैं...)

- **घनानन्द :** घनानंद कवित्त, (सं.) बिश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी

  पद सं. 5 (जासों प्रीति ताहि निठुराई...)

  पद सं. 15 (रावरे रूप की रीति...)

  पद सं. 82 (अति सूधो सनेह को मारग...)